# फ्लिपकार्ट फाउंडेशन ने समाज के हाशिए पर गुजर-बसर करने वाली युवतियों को सशक्त बनाने के मकसद से दीपालय के सहयोग से शुरू किया 'नारी शक्ति' **प्रोग्राम**, **प्रतिभागियों को कॅरियर निर्माण में सहायक कौशल प्रदान किए जाएंगे**

- पहल के अंतर्गत, 600 युवतियों एवं महिलाओं को फैशन डिजाइनिंग, ब्यूटी कल्चर एंड वैलनेस में मिलेगा प्रशिक्षण, नए कॅरियर अवसरों को पैदा करने में मिलेगी मदद
- इस प्रोजेक्ट को हरियाणा के तावडू जिले और उत्तर प्रदेश के तितरों नगर में स्थित दो केंद्रों में लागू करने की योजना

**गुरुग्राम, 29 मई, 2023:** फ्लिपकार्ट ग्रुप के तहत् फ्लिपकार्ट फाउंडेश ने समाज के कमजोर तबके की महिलाओं, युवाओं और बच्चों के लिए कार्यरत जाने-माने एनजीओ (गैर सरकारी संगठन) दीपालय के साथ एक नई पहल के लिए हाथ मिलाया है। इस पहल के जरिए समाज के कम सुविधाप्राप्त वर्ग की युवतियों तथा महिलाओं को सशक्त एवं समर्थ बनाया जाएगा। प्रोग्राम के तहत् 600 से अधिक युवतियों एवं महिलाओं को ऐसी ज़रूरी वोकेशनल स्किल्स दी जाएंगी जो उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना सकें और साथ ही, उन्हें माइक्रो-एंटरप्राइज़ स्थापित करने के लिए भी प्रोत्साहित भी करें। इस तरह, यह पहल इन युवतियों एवं महिलाओं को आजीविका का सतत जरिया उपलब्ध कराएगी। इस प्रोजेक्ट को हरियाणा के तावडू जिले और उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के तितरों नगर में 12 महीने चलाने की योजना है।

नारी शक्ति प्रोग्राम आर्थिक और सामाजिक तौर पर कम सुविधाप्राप्त तबके से आने वाली महिलाओं के रास्ते की अड़चनों जैसे कि आजीविका कमाने के सीमित अवसरों और कम साक्षरता दरों से निपटने की दिशा में काम करता है। यह प्रोग्राम 18 साल से अधिक उम्र की उन महिलाओं को प्रशिक्षण देगा जो लक्षित भौगोलिक इलाकों में रहती हैं। प्रशिक्षण दो

बैचों में दिया जाएगा, साथ ही उन्हें उद्यमिता, स्वास्थ्य तथा पोषण संबंधी कौशल और क्षमता निर्माण कौशलों से भी सुसज्जित किया जाएगा।

इस प्रोजेक्ट के लिए संभावित उम्मीदवारों की पहचान के मकसद से घर-घर जाकर सर्वे किया जाएगा, साथ ही इसके बारे में लोगों को जानकारी भी दी जाएगी। इसके अलावा, प्रोग्राम को सस्टेनेबल बनाने के लिए, चुनींदा प्रतिभागियों के परिवारों के साथ भी व्यक्तिगत रूप से काउंसलिंग सत्रों को आयोजित किया जाएगा ताकि वे इस पहल के लक्ष्यों को उचित ढंग से समझ सकें।

मॉड्यूल को इस तरह से तैयार किया गया है कि इसमें व्यावहारिक और सैद्धांतिक जानकारी देने के साथ-साथ उद्यमिता प्रशिक्षण पर खास ज़ोर दिया जाएगा। इसके अलावा, प्रतिभागियों को पोषण, सॉफ्ट स्किल्स और लाइफ स्किल्स भी दी जाएंगी। टीचिंग टूल्स और लर्निंग सामग्री के साथ-साथ, नियमित रूप से मूल्यांकन और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने पर ज़ोर दिया जाएगा ताकि प्रशिक्षण के बेहतर नतीजे सामने आ सकें। समूह की प्रगति पर नज़र रखने तथा छात्रों के विकास का विश्लेषण करने के लिए कम्युनिटी मोबीलाइज़ेशन और मूल्यांकनों की भी व्यवस्था की जाएगी।

इस भागीदारी के बारे में, **पूजा त्रिशाल, डायरेक्टर, फ्लिपकार्ट फाउंडेशन** ने कहा, *"दीपालय के साथ हमारी भागीदारी, शिक्षा और कौशल विकास के जरिए समुदायों को सशक्त बनाने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता का हिस्सा है। यह पहल सीमित संसाधनों के साथ गुजर-बसर करने वाली युवतियों एवं महिलाओं के लिए आजीविका के अवसरों को प्रदान करने की दिशा में बढ़ाया गया महत्वपूर्ण कदम है। हम इससे जुड़कर खुशी महसूस कर रहे हैं और प्रतिभागियों के जरिए समाज पर पड़ने वाले व्यापक बदलावों को लेकर उत्सुक हैं।"*

**डॉ जॉर्ज जॉन, मुख्य कार्यकारी, दीपालय** का कहना है, "1998 *से, दीपालय ने 1,616 स्व-सहायता समूहों को स्थापित कर 17,892 महिलाओं को लाभ पहुंचाने के साथ-साथ 8,431 माइक्रो-एंटरप्राइज़ स्थापित करने में मदद पहुंचायी है। हमारा 'नारी शक्ति प्रोजेक्ट' महिलाओं को आत्म-निर्भरता हासिल करने के उनके सपनों को पूरा करने के मकसद से तैयार किया गया है और इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण तथा संसाधन उपलब्ध*

*कराता है ताकि वे अपने खुद के लघु व्यवसायों को शुरू कर सकें। महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर, हम हरेक*

*के लिए बेहतर और उज्ज्वल भविष्य तैयार कर सकते हैं। हम फ्लिपकार्ट फाउंडेशन तथा गिव इंडिया के आभारी हैं जो हमारे इस लक्ष्य में साझीदार बनने के लिए आगे आए हैं।"*

प्रतिभागियों को प्रदान किए जाने वाले उद्यमिता प्रशिक्षण की मदद से वे न सिर्फ अपने लिए नौकरियों के अवसरों की पहचान कर सकती हैं बल्कि अपने परिवार की आमदनी में भी योगदान करने के लायक बनेंगी, जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए लाभ की स्थिति बनेगी। इन प्रयासों से समाज के कम सुविधाप्राप्त तबके की महिलाओं की सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने में योगदान होगा।

पिछले साल, फ्लिपकार्ट फाउंडेश ने आंध्र प्रदेश, असम, हरियाणा, कर्नाटक, तेलंगाना, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल में कम सुविधाप्राप्त समुदायों के साथ काम करते हुए समाज के विभिन्न क्षेत्रों को सेवाएं तथा सहयोग देने के साथ-साथ अकुशल और कम सेवाप्राप्त वर्गों तक सेवाएं पहुंचायी ताकि अधिकतम लोगों तक पहुंच बनाते हुए सस्टेनेबल तरीके से प्रभाव डाला जा सके।

**About the Flipkart Group**
The Flipkart Group is one of India's leading digital commerce entities and includes group companies Flipkart, Myntra, Flipkart Wholesale, Flipkart Health+, and Cleartrip.
Started in 2007, Flipkart has enabled millions of sellers, merchants, and small businesses to participate in India's digital commerce revolution. With a registered customer base of more than 450 million, Flipkart's marketplace offers over 150 million products across 80+ categories. Today, there are over 11 lakh sellers on the platform, including Shopsy sellers. With a focus on empowering and delighting every Indian by delivering value through technology and innovation, Flipkart has created lakhs of jobs in the ecosystem while empowering generations of entrepreneurs and MSMEs. Flipkart is known for pioneering services such as Cash on Delivery, No Cost EMI, and easy returns, which are customer-centric innovations that have made online shopping more accessible and affordable for millions of Indians.

**For more information, please write to media@flipkart.com**

**About Deepalaya**
Deepalaya is an ISO 9001:2015 certified non-government organization that believes in enabling self-reliance and is committed to working on issues affecting the urban and

rural poor, with a special focus on women and children since 1979. The organisation started with remedial education to girl children from resource scarce set up but over the years, the services and programs grew and Deepalaya ventured into Education, Community Health, Gender Equity, Institutional Care, Vocational Training, Skill Development, Environment and Differently Abled and for more than four decades now has been contributing to the crusade against illiteracy in India.

The organization has worked with hundreds of thousands of people from underserved communities across regions in India. Deepalaya is among the very few pioneering organizations that carry out interventions in some of the most backward areas.